सच्चा पश्चाताप जो परमेश्वर के हृदय को छू लेता है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

आजकल बहुत से लोग मानते हैं कि परमेश्वर से क्षमा पाने के लिए किसी विशेष “पापियों की प्रार्थना” या “पश्चाताप की प्रार्थना” को दोहराना ज़रूरी है। यदि यह प्रार्थना सच्चे मन से की जाए तो उसमें कोई बुराई नहीं है, लेकिन केवल शब्दों को दोहराने से कोई उद्धार नहीं होता। दुख की बात है कि कुछ लोग यह सोचकर निश्चिंत हो जाते हैं कि वे बच गए हैं क्योंकि उन्होंने कभी ऐसी प्रार्थना की थी—भले ही उनके जीवन में कोई वास्तविक परिवर्तन नहीं आया। लेकिन बाइबल सिखाती है कि क्षमा केवल शब्दों से नहीं, बल्कि सच्चे पश्चातापी हृदय से मिलती है।

�️ बाइबल सच्चे पश्चाताप के बारे में क्या कहती है?

लूका 7 में हमें एक अद्भुत घटना मिलती है जहाँ यीशु से एक पापिनी स्त्री मिली। इस घटना में यीशु दिखाते हैं कि सच्चा पश्चाताप कैसा होता है—किसी औपचारिक प्रार्थना से नहीं, बल्कि टूटे हुए दिल और आत्मसमर्पण से।

लूका 7:37–38
“और देखो, उस नगर की एक स्त्री, जो पापिनी थी, यह जानकर कि वह फ़रीसी के घर में भोजन करने बैठा है, संगमरमर के पात्र में
इत्र लाई। और वह उसके पीछे उसके पाँवों के पास रोते-रोते
खड़ी हो गई, यहाँ तक कि उसके आँसुओं से उसके पाँव तर हो गए और अपने सिर के बालों से उन्हें पोंछा और उसके पाँवों को चूमा

सच्चा पश्चाताप जो परमेश्वर के हृदय को छू लेता है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

और उन पर इत्र डाला।”

उस स्त्री ने कोई लिखी हुई प्रार्थना नहीं दोहराई, न ही कुछ ऊँची आवाज़ में कहा। लेकिन उसके आँसू, टूटा हुआ दिल और उपासना ने उसके सच्चे पश्चाताप को व्यक्त कर दिया।

✨ यीशु की प्रतिक्रिया

लूका 7:47–48
“इस कारण मैं तुझसे कहता हूँ, इसके बहुत से पाप क्षमा हो गए
हैं, क्योंकि इसने बहुत प्रेम दिखाया है; पर जिसका थोड़ा
क्षमा हुआ है, वह थोड़ा प्रेम करता है। तब उसने उस स्त्री से कहा, ‘तेरे पाप क्षमा हुए।’”

ध्यान दीजिए, यीशु ने यह नहीं कहा, “मैं तुझे क्षमा करता हूँ,” बल्कि कहा, “तेरे पाप क्षमा हुए।” यह दिखाता है कि क्षमा पहले ही स्वर्ग में हो चुकी थी—यीशु केवल वही घोषित कर रहे थे जो उन्होंने उसके हृदय में देखा।

सच्चा पश्चाताप जो परमेश्वर के हृदय को छू लेता है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

� क्षमा अपने आप नहीं मिलती—यह हृदय की दशा पर निर्भर है

कई बार जब यीशु ने कहा, “तेरे पाप क्षमा हुए,” तो लोग आहत हो गए और सोचा कि वह निन्दा कर रहा है।

मरकुस 2:5–7
“यीशु ने उनका विश्वास देखकर उस लकवे के मारे हुए से कहा,
‘बेटा, तेरे पाप क्षमा हुए।’ वहाँ कुछ शास्त्री बैठे हुए थे और अपने मन में विचार करने लगे, ‘यह मनुष्य क्यों ऐसा बोलता है? यह तो परमेश्वर की निन्दा करता है। परमेश्वर को छोड़कर कौन पापों को क्षमा कर सकता है?’”

पर यीशु अपने आप कुछ नहीं कर रहे थे। वे वही बोल रहे थे जो उन्होंने पिता को करते देखा।

यूहन्ना 5:19
“यीशु ने उन्हें उत्तर दिया, ‘मैं तुमसे सच सच कहता हूँ, पुत्र अपने आप से कुछ नहीं कर सकता। वह वही करता है जो वह पिता को करते देखता है। जो कुछ पिता करता है, पुत्र भी वही करता है।’”

सच्चा पश्चाताप जो परमेश्वर के हृदय को छू लेता है

इसलिए जब यीशु ने कहा, “तेरे पाप क्षमा हुए,” तो वे केवल वही प्रकट कर रहे थे जो परमेश्वर पहले ही कर चुका था।

सच्चा पश्चाताप क्या है?

“पश्चाताप” के लिए यूनानी शब्द *Metanoia* है, जिसका अर्थ है “मन बदलना, दिशा बदलना, हृदय का रूपान्तरण।” यह केवल “सॉरी” कहना नहीं है, बल्कि जीवन की दिशा पूरी तरह बदल देना है।

> प्रेरितों के काम *3:19*
> “इसलिए तुम लोग अपने पापों से फिरो और परमेश्वर की ओर लौट आओ ताकि तुम्हारे पाप मिट जाएँ और प्रभु की ओर से तरावट के दिन आएँ।”

सच्चा पश्चाताप पाप से मुँह मोड़कर परमेश्वर की ओर मुड़ना है। इसके बिना केवल भावुक प्रार्थना भी क्षमा नहीं ला सकती।

सच्चा पश्चाताप मुँह से नहीं, दिल से होता है

परमेश्वर यह नहीं गिनता कि आपने कितनी बार प्रार्थना की या कितनी बार रोए। वह आपके हृदय को देखता है।

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

सच्चा पश्चाताप जो परमेश्वर के हृदय को छू लेता है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

कोई व्यक्ति चाहे चोर, हत्यारा या व्यभिचारी क्यों न रहा हो—यदि वह सच्चे मन से पश्चाताप करे और कहे, “प्रभु, मैं अब तुझी की ओर लौटता हूँ, अपने पुराने जीवन से मुझे कुछ लेना-देना नहीं,” और फिर उसी के अनुसार जीवन बिताए—तो परमेश्वर उसे क्षमा कर देता है।

पर कोई दूसरा व्यक्ति, जो वर्षों से कलीसिया जाता रहा हो, कई “पापियों की प्रार्थनाएँ” की हों, रोया भी हो, यहाँ तक कि सेवकाई भी की हो—लेकिन गुप्त रूप से पाप करता रहे (जैसे यौन पाप, अश्लीलता, झूठ, शराबखोरी आदि), तो वह व्यक्ति वास्तव में पश्चाताप नहीं किया है और क्षमा भी नहीं पाया है।

यशायाह 29:13
“यहोवा ने कहा, ‘ये लोग अपने मुँह से मेरे निकट आते हैं और
अपने होंठों से मेरा आदर करते हैं, पर उनका मन मुझसे दूर रहता है।’”

नीतिवचन 28:13
“जो अपने अपराधों को छिपाता है, वह सफल नहीं होता; पर जो उन्हें मान लेता है और छोड़ देता है, उस पर दया होती है।”

सच्चा पश्चाताप जो परमेश्वर के हृदय को छू लेता है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

परमेश्वर केवल शब्दों को नहीं, बल्कि हृदय को क्षमा करता है।

� स्वयं जाँच करो: क्या तुमने सचमुच पश्चाताप किया है?

क्या तुमने सचमुच पाप से मुँह मोड़ा है? या केवल औपचारिकता निभा रहे हो—बिना परिवर्तन के केवल प्रार्थनाएँ कर रहे हो?

योएल 2:13
“अपने वस्त्र नहीं, अपने हृदय को फाड़ो। अपने परमेश्वर
यहोवा की ओर लौट आओ, क्योंकि वह अनुग्रहकारी और दयालु है, वह क्रोध करने में धीमा और अटल प्रेम से परिपूर्ण है…”

✝️ अन्तिम आह्वान: अभी लौटो और क्षमा पाओ

यदि तुमने अब तक केवल बाहरी रूप से पश्चाताप किया है या केवल दिखावे के कार्यों पर भरोसा किया है, तो यह जागने का समय है। अब सच्चे मन से यीशु की ओर लौटो—खाली शब्दों से नहीं, बल्कि पूरे दिल से।

2 कुरिन्थियों 7:10

सच्चा पश्चाताप जो परमेश्वर के हृदय को छू लेता है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 7

“क्योंकि परमेश्वर की इच्छा के अनुसार शोक ऐसा पश्चाताप उत्पन्न करता है जिससे उद्धार होता है और जिसका पछतावा नहीं होता; पर संसार का शोक मृत्यु उत्पन्न करता है।”

आज ऐसा निर्णय लो जिसका तुम्हें कभी पछतावा न हो। अपना दिल सचमुच परमेश्वर को सौंप दो और सच्ची, स्थायी क्षमा पाओ।

परमेश्वर तुम्हें आशीष दे जब तुम पूरे मन से उसकी खोज करोगे।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp